# अकादमिक पंचांग, सत्र : २०२६-२७

| सेमेस्टर : II, IV, VI, VIII | | सेमेस्टर : I, III, V, VII | |
|---|---|---|---|
| नवम्बर | पढ़ाए गए पाठक्रमों पर चर्चा<br>आंतरिक मूल्यांकन तथा परिणाम पर चर्चा एवं सूचना संग्रहण । | जुलाई | • पाठ्यचर्या योजना, प्रश्नपत्र व समय सारणी पर चर्चा, वितरण। |
| दिसम्बर | • परीक्षाएँ आयोजित ।<br>नए समय - सारिणी निर्माण । | अगस्त | विभागीय प्रथम-संबोधन।<br>• 'हिन्दी साहित्य परिषद्' का गठन।<br>• 'हिन्दी साहित्य परिषद' के विद्यार्थी पदाधिकारियों का चुनाव एवं चयन तथा उद्घाटन । |
| जनवरी | नए सत्र की शुरुआत<br>• प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए समनुदेशन सत्र/आवर्तन व परख आयोजन। | सितम्बर | • 14 सितंबर से हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ। |
| फरवरी | • प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए समनुदेशन आवर्तन व परख आयोजन।<br>• पढ़ाए गए पाठ्यक्रम चर्चा। | अक्टूबर | • हिंदी परिषद् द्वारा व्याख्यान माला का आयोजन।<br>• पढ़ाए गए पाठ्यक्रम चर्चा। |
| मार्च | • आन्तरिक मूल्यांकन का रिकॉर्ड।<br>• आन्तरिक मूल्यांकन का मॉडरेशन। | नवम्बर | विद्यार्थियों हेतु AI कार्यशाला प्रायोजित<br>विद्यार्थियों हेतु रोजगार परक व्याख्यान एवं मार्गदर्शक कार्यशालाएँ प्रायोजित |

# हिंदी विभाग : भूत – वर्तमान – भविष्य
# अकादमिक योजना 2026–27

## भूत

### विभाग की उपलब्धियाँ एवं अकादमिक आधार

1. गुणवत्तापूर्ण शिक्षण — बी.ए. (ऑनर्स) के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रदान किया गया।
2. विविध अकादमिक क्षेत्र — साहित्य, भाषा-विज्ञान, भारतीय साहित्य, नाटक, लोक-साहित्य, सिनेमा एवं स्त्री-विमर्श में विद्यार्थियों की रुचि विकसित की गई।
3. साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ — संगोष्ठियाँ, व्याख्यान, प्रतियोगिताएँ तथा साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।
4. शोधपरक दृष्टि — विद्यार्थियों में प्रस्तुतीकरण, लेखन एवं आलोचनात्मक चिंतन को बढ़ावा दिया गया।
5. राष्ट्रीय शिक्षा नीति/स्नातक पाठ्यचर्या रूपरेखा से जुड़ाव — बदलते अकादमिक परिवेश के अनुरूप विभाग ने स्वयं को विकसित किया।
6. समकालीन सरोकार — भारतीय संस्कृति, स्त्री-साहित्य, सिनेमा एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर कार्य।

## वर्तमान

### अकादमिक सत्र 2026–27 की प्राथमिकताएँ

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020/स्नातक पाठ्यचर्या रूपरेखा का प्रभावी क्रियान्वयन।
2. अकादमिक योजना — प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए अकादमिक योजनाकार, पाठ-योजना एवं अधिगम परिणाम तैयार करना।
3. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा ई-सामग्री — कक्षा-शिक्षण में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, प्रस्तुतीकरण एवं ई-सामग्री का रचनात्मक उपयोग।
4. भाषा एवं संचार कौशल — भाषिक दक्षता, रचनात्मक लेखन एवं संप्रेषण कौशल का विकास।
5. हिंदी एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता — भाषा-विज्ञान एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अंतर्संबंध पर अकादमिक गतिविधियाँ।
6. अंतर्विषयी दृष्टिकोण — हिंदी साहित्य को सिनेमा, रंगमंच, पत्रकारिता, मीडिया एवं डिजिटल संस्कृति से जोड़ना।
7. शोध उन्मुखीकरण — प्रत्येक विद्यार्थी को कम-से-कम एक शोध-उन्मुख गतिविधि/परियोजना से जोड़ना।
8. अतिथि व्याख्यान एवं कार्यशालाएँ — अतिथि व्याख्यान, कार्यशालाएँ, संकाय विकास कार्यक्रम एवं विद्यार्थी विकास कार्यक्रम आयोजित करना।
9. शोध परियोजनाएँ — भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संस्थाओं की परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव तैयार करना।
10. कैरियर उन्मुखीकरण — प्रतियोगी परीक्षाओं, उच्च शिक्षा, शोध, पत्रकारिता, अनुवाद, विषय-वस्तु लेखन एवं डिजिटल मीडिया के अवसरों से परिचित कराना।

## भविष्य

### दीर्घकालिक अकादमिक दृष्टि

1. शोध एवं नवाचार प्रकोष्ठ — हिंदी शोध एवं नवाचार केंद्र की दिशा में कार्य।
2. शोध संस्कृति — राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियाँ तथा संकाय एवं विद्यार्थियों के शोध-पत्रों को प्रोत्साहन।
3. उभरते शोध क्षेत्र — हिंदी भाषा, लोकभाषाओं, जनजातीय साहित्य, डिजिटल हिंदी एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित भाषा-अध्ययन पर शोध।
4. डिजिटल हिंदी एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता — "हिंदी + प्रौद्योगिकी + कृत्रिम बुद्धिमत्ता" को विभाग की नई अकादमिक पहचान बनाना।
5. डिजिटल भंडार — विभागीय डिजिटल भंडार एवं ई-सामग्री बैंक विकसित करना।
6. कौशल विकास — रचनात्मक लेखन, अनुवाद, संपादन, विषय-वस्तु लेखन, पटकथा लेखन, पत्रकारिता आदि की कार्यशालाएँ।
7. डिजिटल एवं मीडिया कौशल — श्रव्य-प्रसारण, वीडियो-सामग्री निर्माण, हिंदी टंकण, यूनिकोड एवं हिंदी भाषा के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरणों का प्रशिक्षण।
8. अकादमिक सहयोग — अकादमिक समझौता-ज्ञापन, संयुक्त संगोष्ठी, संकाय/विद्यार्थी आदान-प्रदान एवं सहयोगात्मक शोध।
9. संयुक्त प्रकाशन — अन्य विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों के साथ संयुक्त शोध एवं प्रकाशन।
10. नई पीढ़ी के लिए हिंदी — हिंदी को साहित्य के साथ कैरियर, प्रौद्योगिकी, मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं संचार की भाषा के रूप में विकसित करना।

## विज़न 2026–27

**"परंपरा से आधुनिकता की ओर, साहित्य से तकनीक की ओर और ज्ञान से कौशल एवं शोध की ओर—हिंदी विभाग को एक जीवंत, शोधपरक, तकनीक-सक्षम और रोजगारोन्मुख अकादमिक केंद्र के रूप में विकसित करना।"**